



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १०]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च ९, १९७४/फाल्गुन १८, १८९५

No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 9, 1974/PHALGUNA 18, 1895

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या तो जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये सांविधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, १९ फरवरी, १९७४

का० नि० आ० ८८—राष्ट्रीय कैडेट कोर नियम, १९४८ के नियम ४२ के उप-नियम (२) के मात्र परिण, राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिनियम, १९४८ (१९४८ का ३१) की धारा १२ की उपधारा (२) द्वारा प्रदत्त ग्रन्तियों का अदोग करने हुए और भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना का० नि० आ० मं० ४०८, तारीख १९ अक्टूबर, १९७१ को अनिलित करने हुए, केन्द्रीय सरकार, गुजरात राज्य के लिए, राष्ट्रीय कैडेट कोर की एक राज्य सलालकार नियमित नियुक्त करनी है, जिसमें निम्ननिम्नित व्यवित होगी, प्रथातः—

१. शिक्षा मंत्री, गुजरात राज्य, गांधीनगर (प्रध्यक्ष)।
२. मन्त्रिव, गुजरात सरकार, शिक्षा और श्रम विभाग, गांधीनगर।
३. कुलपति, गुजरात विष्वविद्यालय, अहमदाबाद।
४. कुलपति, एम० एम० विष्वविद्यालय, बहौदा।
५. कुलपति, दक्षिणी गुजरात विष्वविद्यालय, सुરत।
६. कुलपति, सरदार पटेल विष्वविद्यालय, बलाज विद्यालय।

७. कुलपति, सौराष्ट्र विष्वविद्यालय राजकोट।
८. कुलपति, गुजरात कृषि विष्वविद्यालय, अहमदाबाद।
९. कुलपति, गुजरात विद्यालय, अहमदाबाद।
१०. कुलपति, गुजरात अयुर्वेद विष्वविद्यालय, जामनगर।
११. शिक्षा निदेशक, गुजरात राज्य, अहमदाबाद।
१२. सकनीकी शिक्षा निदेशक, अहमदाबाद।
१३. जनरल स्टाफ अफिसर १, मुख्यालय, महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र।
१४. डा० श्री० ए० घास, प्रधानाचार्य, सरकारी विज्ञान महाविद्यालय, गांधीनगर।
१५. श्री जयनन्द एम० दवे, प्रधानाचार्य, कला और विधि महाविद्यालय, मोरवी।
१६. श्री वेंकटीभाई मोदा, प्रधानाचार्य, नवयुग हाई स्कूल, पोरबंदर।
१७. श्रीमती पन्नावेन श्रेष्ठिक माई, निदेशक, रक्षा हाई स्कूल, गांधीनगर, अहमदाबाद।
१८. निदेशक, राष्ट्रीय कैडेट कोर, गुजरात बादरा, नागर हवेली, दमण और दीव, अहमदाबाद।

19. श्रीमती कोकिलादेव यास, एम०एल० ए०, नवरंगपुरा, ग्रहमदावाद।
20. श्री मनोहर सिंह जी जडेजा, एम० एल० ए०, राजकोट।
21. श्री जगल किंशोर मिश्ती, प्रधानाचार्य, ग्रहमदावाद शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, मणिनगर, ग्रहमदावाद।
22. सचिव, गुजरात सरकार, विन विभाग, गोधीनगर।
23. प्रतिम उप महानिरीक्षक, मुख्यालय, ग्रहमदावाद।
24. विशेष अधिकारी, राष्ट्रीय मेडा स्कॉल, शिक्षा निदेशक का कार्यालय, ग्रहमदावाद।

(सचिव)

महेन्द्र सिंह, उप-सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 19th February, 1974

S.R.O. 88.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 12 of the National Cadet Corps Act, 1948 (31 of 1948), read with sub-rule (2) of rule 42 of the National Cadet Corps Rules, 1948, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Defence S.R.O. No. 408 dated the 19th October, 1971 the Central Government hereby appoints a State Advisory Committee of the National Cadet Corps for the State of Gujarat consisting of the following persons, namely:—

1. The Minister of Education, State of Gujarat, Gandhinagar (Chairman).
2. The Secretary to the Government of Gujarat, Education and Labour Department, Gandhinagar.
3. The Vice-Chancellor, Gujarat University, Ahmedabad.
4. The Vice-Chancellor, M. S. University, Baroda.
5. The Vice-Chancellor, South Gujarat University, Surat.
6. The Vice-Chancellor, Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar.
7. The Vice-Chancellor, Saurashtra University, Rajkot.
8. The Vice-Chancellor, Gujarat Agricultural University, Ahmedabad.
9. The Vice-Chancellor, Gujarat Vidyapith, Ahmedabad.
10. The Vice-Chancellor, Gujarat Ayurved University, Jamnagar.
11. The Director of Education, Gujarat State, Ahmedabad.
12. The Director of Technical Education, Ahmedabad.
13. The General Staff Officer 1, Headquarters, Maharashtra and Gujarat Area.
14. Dr. V. A. Vyas, Principal, Government Science College, Gandhinagar.
15. Shri Jayanand L. Dave, Principal, Arts and Law College, Morvi.
16. Shri Devjibhai Modha, Principal, Navyug High School, Porbandar.
17. Smt. Pannaben Shrenikbhai, Director, Rachna High School, Shahibag, Ahmedabad.
18. The Director National Cadet Corps, Gujarat, Dadra, Nagar Haveli, Daman and Diu, Ahmedabad.
19. Smt. Kokilaben Vyas, M.L.A. Navrangpura, Ahmedabad.
20. Shri Manoharsinhji Jadeja, M.L.A., Rajkot.
21. Shri Jugalkishor Mistry, Principal, Ahmedabad Physical Education College, Maninagar, Ahmedabad.
22. The Secretary to the Government of Gujarat, Finance Department, Gandhinagar.

23. The Deputy Inspector General of Police Head Quarters, Ahmedabad.

24. The Special Officer, National Service Scheme in the office of the Director of Education, Ahmedabad.

(Secretary)

MAHENDRA SINGH, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1974

का० नि० आ० 89.—मेना अधिनियम, 1950 की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार, के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० नि० आ० 318 तारीख 6 दिसम्बर, 1962 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथम:—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची के भाग ख में वैरा (गग) में खण्ड (xviii) के उपखण्ड (अ) में 'उप महानिरीक्षक', शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—
'कमानडेट'

[का० सं० 62141/पी० एम० 1/(खण्ड 3)]

का० वे० रमणमूर्ति, उप-सचिव

New Delhi, the 22nd February, 1974

S.R.O. 89.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 4 of the Army Act, 1950 (46 of 1950), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 318 dated the 6th December 1962, namely:—

In part B of the Schedule to the said notification, in paragraph (cc), in clause (xviii), in sub-clause (e), after the word Deputy Inspector General, the following word shall be added, namely:—

'Commandant'

[File No. 62141/PS. 1 (Vol. III)]
K. V. RAMANAMURTHI, Dy. Secy.

का० नि० आ० 90.—आवनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 15 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि प्रशासनिक कठिनाई से भ्रष्टों के लिए यह आवश्यक है, एवं द्वारा जांसी छावनी बोर्ड से गर्भी निर्वाचित सदस्यों की पदावधि 4 अगस्त, 1974 तक या उसके पद उत्तराधिकारी के, शासकीय राजपत्र में, निर्वाचित अधिसूचना की तारीख तक, इनमें जो भी पहुँचे हों, बढ़ाती है।

[का०मं० 29/61/सी०/एल० एण्ड सी०/66/603/सी० झी० (झ० एण्ड सी०)]

S.R.O. 90.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 15 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government being satisfied that it is necessary in order to avoid administrative difficulty hereby extends the term of office of all the elected members of Jhansi Cantonment Board up to 4th August, 1974, or the date of notification of elections of their successors in office in the Official Gazette, whichever is earlier.

[File No. 29/61/C/L&C/66/621-C/D(Q&C)]

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1974

का० सि० आ० 91.—यतः सिकन्दराबाद छावनी में गलियों की अवस्था और इमारतों के निर्माण का विनियमन और गलियों की अवस्था

और अवस्थिति और अन्य नागरिक भूमि-निवासीयों के लिए पर्याप्त उपयोग किए बिना फिर गण ऐसे निर्माण के प्रतिषेध, के लिए उप-विधियों का प्राप्त, छावनी बोर्ड की सूचना में 4201, नारीख 20 अगस्त, 1970 के साथ, छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की भारा 284 की अपेक्षानुसार प्रकाशित किया गया था, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनका उपके द्वारा प्रभावित होना सम्भाल्य था, 21 मिन्हार, 1970 तक आक्षेप और सुमाच भागे गए थे;

और यह: उक्त सूचना जनता को 20 अगस्त, 1970 को उपयोग करा दी गई थी;

और यह: उक्त प्राप्त पर जनता में प्राप्त आक्षेपों और सुमाचों पर पूर्वोक्त छावनी बोर्ड द्वारा सम्यक रूप से विचार कर लिया गया है;

और यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त उप-विधियों या प्राप्त, उक्त अधिनियम को द्वारा 284 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार सम्यक रूप से अनुमोदित और पुष्ट कर दिया है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 282 के खण्ड (19) और (39) और धारा 283 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त छावनी बोर्ड निम्नलिखित उप-विधियों विनाश है, अर्थात्:—

उप-विधियाँ

1. संक्षिप्त नाम और प्राप्तम्.—(1) इन उप-विधियों का नाम सिकन्दराबाद छावनी (गवियों की व्यवस्था और इमारतों के निर्माण का नियमन और प्रशिक्षण) उप-विधि, 1974 है।

(2) ने उप-विधि राज्यपत्र में प्रकाशन की तरीख को प्रस्तुत होगी।

2. अधिन्यास रेखाओं का प्रत्यक्ष किया जाना.—सिकन्दराबाद छावनी के भीतर इमारतों के निर्माण के लिए सुमि का अनुग प्लाटों में विभाजन करने और उसको उमासन-रूप के रूप में वैचार का आण्य रखने वाला कोई व्यक्ति, इन उप-विधियों के परिशिष्ट में विभिन्न प्राप्त में आवेदन करेगा। प्राप्त छावनी बोर्ड से प्राप्त होगा और तीन प्राप्तों का समूच्य पनाम पैसे प्रति ग्रन्ति के संदाय पर किया जाएगा।

3. आवेदन करने की रीति.—(1) आवेदन के गाथ 1:3960 के मापमान पर खींचा गया स्केन-कशा और 1.600 के गापमान पर खींचा गया अधिन्यास-रेखाक द्वारा, प्रत्येक नीत प्रतियों में (एक प्रति अनुरोधण-वरत्र पर और अन्य लूप पर) होना, जो आवेदन द्वारा हस्ताक्षित हो और उसके गाथ निम्नलिखित विवरणों की जाएगी।

(i) उनी विन्दु उपर्यात फैले हुए, भूमि की सीमाएं, सुमि या माप और सर्वेक्षण संख्याएँ;

(ii) विन्दु नामने;

(iii) टेलीफोन और टेलीग्राफ लाइन;

(iv) जन के प्रमुख नाम,

(v) सूख्य मत मार्ग;

(vi) जाली;

(vii) विद्यमान इमारत, ज्ञापिडिशा, खुरे स्थान, यमानी नाम, वृक्ष और अन्य स्थायी भंगनाएँ जो गापमाना, छटाई नहीं जा सकती;

(viii) पहुंचे ही अनुसोदित अधिन्यास और जिगका विकास भूमि की सीमा के चारों ओर 90 मीटर तक पहुंचे ही किया जा सकता हो;

(ix) भूमि की सीमाओं के माप लगी गविया, मड़क, या मुद्य मार्ग के मध्य के प्रति निर्देश से स्थल की बाहरी सीमाओं की दूरी;

(x) उप-विधियों में विनिविष्ट रतर के अनुसार विद्यमान सार्वजनिक या प्राइवेट गली से पहुंच के मार्ग-निर्देश और शास्त्रे प्रस्तावित गली का आण्यवित सब और चौड़ाई, और गली और इमारत के अनुसार तामीर सीमाएँ;

(xi) वैयक्तिक प्लाटों और खुले स्थानों की स्थिति, मंड्या और आकार।

(2) आवेदक विद्यमान सार्वजनिक या प्राइवेट गलियों से उपमानों की व्यवस्था करने के लिए और प्रस्तावित मड़कों, सब लकड़ी, बरसाती पानी और भूमिगत नावों को ममतल बरने, रोड़ी डालने और काला करने के लिए प्रस्थापनाओं का विवरण भी पेण करेगा और उसमें ऐसे संकर्म जिन्हें वह स्वयं स्वेच्छा से करना चाहता है और करने पा बचन देता है और पेप ऐसे संकर्म जो छावनी बोर्ड द्वारा उसके खर्चे पर किए जाएंगे, भी उप-दर्शित करेगा।

4. प्रत्येक प्लाट का स्थूनतम थेक.—इन्हियास किए जाने के लिए प्रस्तावित प्रत्येक प्लाट 1200 वर्ग फीट या 112 वर्ग मीटर से कम नहीं होगा और प्लाट के मापने का हिस्सा लम्बाई में 30 फीट या 9.1 मीटर से कम नहीं होगा।

5. गवियों की चौड़ाई.—गवियों की, उसको लम्बाई के प्रति निर्देश में, निम्नलिखित चौड़ाई होगी:—

गली की लम्बाई	गली की चौड़ाई
---------------	---------------

(क) 0 से 1000 फीट या 0 से 304 मीटर से 30 फीट या 9.1 मीटर

(ख) 1000 फीट या 304 मीटर से 40 फीट या 12.2 मीटर अधिक।

6. तामीर सीमाओं का चिह्नन.—प्रभिन्यास रेखाओं में विन्दु रेखा में तामीर सीमा ग्रन्ति की जाएगी, जो

(क) 560 वर्ग मीटर से कम मापमान के प्लाटों के बारे में सहक के किनारे से 5 फीट या 1.5 मीटर, और

(ख) 560 वर्ग मीटर या अधिक मापमान के प्लाटों के बारे में सहक से 20 फीट या 6 मीटर होगी।

इमारत के घारों और खुले स्थान का छोड़ा जाना.—तत्स्यम प्रभुनि किसी अन्य उप-विधि में किसी बान के होने हुए भी, गली के माथ बाले प्लाट की सीमा री 5 फीट या 1.5 मीटर से अन्यून जगह विना बनाई जाएगी, उनी ती जगह प्रस्थापित इमारत की एक आग छाड़ी जाएगी और 5 फीट या 1.5 मीटर से अन्यून जगह इमारत के दोनों बिना बाई छाड़ी जाएगी:

परन्तु बनाए जाने वाले प्लाट का क्षेत्र निम्नलिखित अधिकतम सीमाओं से अधिक नहीं होगा, अर्थात्:—

प्लाट का क्षेत्र

बनाए जाने वाले प्लाट का अधिकतम

क्षेत्र

(i) 2100 वर्ग फीट या 224 वर्ग 5/8; मीटर तक।

(ii) 2400 वर्ग फीट या 224 वर्ग 1/2; मीटर और 4800 वर्ग फीट या 448 वर्ग मीटर के मध्य।

1 2

(iii) 4800 वर्ग फीट या 448 वर्ग 2/5;
मीटर से अधिक ।

8. कोनों का छलवार किया जाना.—जहां दो गलियां मिलती हैं, वहां प्रत्येक प्लाट के कोनों को 10 फीट या 3.05 मीटर के अनुलम्ब या गोलाई में छलवार किया जाएगा ।

9. विछान गलियों तक पहुँच.—सब प्रस्थापित गलियों तक विछान सार्वजनिक या प्रावेश गली से पहुँच होगी और जनता को तिकट बर्ती अभिन्नास में पहने ही मंजूर संचारी प्रस्थापित गलियों में से होकर जाने का अनिर्धित्व मार्गीकार होगा ।

10. गलियों का बनाया जाना.—(1) गणधर्म कम-से-कम 11.50 सें. मी. ० गाड़े (फैले हुए गाड़े) पानी कुटी मैकेइम और 4.00 सें. मी. ० गाड़े ऐफ्काल्ट श्रीमिकम कार्पेट से अनाई आणगी जिममें मिकंदरावाद की लागू सैनिक इंजीनियरी सेवा की स्ल-श्रनुसूची में यथा विनिष्टिंट वंध प्रौर ऐसी उपयुक्त निष्कली मनह, जहां कहीं मिट्टी की अवस्था द्वारा ऐसा अपेक्षित हो जिसका विनिष्टिंट कार्यपालक आफिमर द्वारा किया जाएगा, सम्मिलित है । पक्के भाग की खोड़ाई, 30 फीट या 9.1 मीटर खोड़ी गली के लिए कम-से-कम 12 फीट या 3.7 मीटर, 40 फीट या 12.2 मीटर खोड़ी गली के लिए कम-से-कम 16 फीट या 4.9 मीटर होंगी ।

(2) जहां कहीं अभिन्नास रेखांक में दो सङ्कों या गलियों के भीच ऐसे प्लाट दिए गए हैं जिनके पिछाड़े एक-दूसरे की तरफ हों, तो ऐसे दो प्लाटों के भीच एक सर्विस लेन, जो ८ फीट या 1.8 मीटर से खोड़ी न हो, बनाई जाएगी और ऐसी सर्विस लेन की कम-से-कम 11.50 सें. मी. ० गाड़े पानी-कुटी मैकेइम के साथ उचित रूप से पुष्ट किया जाएगा ।

11. नालों, मल-नालियों का बनाया और जल प्रवाय मलों का बिछाना :—(1) नालों, मल-नालियों को बनाने और जल-प्रदाय नलों को बिछाने का कार्य, भूमि और पर्याप्त निस्तारण और प्रदाय की स्थिति के अनुमान कार्य पालक या आफिमर द्वारा निष्टिंट रूप में किया जाएगा ।

(2) आवेदक जल-प्रदाय के लिए कनेक्शन निकटनम छावनी के जल के प्रमुख नल से लेगा । बोर्ड, प्रमुख तर्कों का कनेक्शन यथासंभव, अभिन्नास के फिनारे से 300 गज या 274 मीटर के भीतर लेगा ।

12. छावनी बोर्ड द्वारा गलियों, जल-निकास का निर्माण कराया जाना और जल-प्रवाय नलों का बिछाना जाना.—यदि आवेदक यह बाणी करता है कि छावनी बोर्ड द्वारा गलियों और नालों का निर्माण कराया जाए और जल प्रवाय नल बिछाए जाएं, तो वह, कार्यपालक अधिकारी द्वारा दी गई संकर्म की प्राक्कलित लागत, और पर्यावरण प्रभार के रूप में संकर्म की लागत का पांच प्रतिशत अतिरिक्त राशि, छावनी बोर्ड में जमा करेगा । इस संबंध में बोर्ड द्वारा उपगत वास्तविक लागत (पर्यावरण प्रभार के रूप में वास्तविक लागत के पांच प्रतिशत अतिरिक्त राशि को छोड़कर) उपरे द्वारा संबत की जाएगी और वह छावनी बोर्ड के साथ इन प्रभावों के कागर का निष्पादन करेगा ।

13. गलियों और खुले स्थानों के लिए प्रारक्षित भेत्र.—बोर्ड, जहां कहीं आवश्यक समझे, आवेदक से लंग क्षेत्र के रूप में खुले स्थानों को छोड़ने की अपेक्षा कर मकेगा, परन्तु ऐसे खुले स्थान और गली का क्षेत्र भूमि के कुल क्षेत्र के 40 प्रतिशत से कम नहीं होगा ।

14. छावनी बोर्ड का पूर्व अनुमोदन लिया जाना.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 179 के प्रधीन कोई भी हमारन मूलना तब तक ग्रहण नहीं की जाएगी जब तक कि अभिन्नास छावनी

बोर्ड द्वारा अनुमोदित न कर दिया हो और गलियों, नाले और जल प्रदाय लाइसेंस कार्यपालक आफिमर के समाधान रूप में आवेदक के खिले पर, बिलाई गई हों और वे देखभाल के लिए छावनी बोर्ड मिकंदरावाद के पक्ष में दान-पत्र का निष्पादन करके छावनी बोर्ड को सौप दी गई हों । किन्तु बोर्ड यदि अन्य मध्यी अधिनियम उपलब्ध हों, तो किसी अभिन्नास में ऐसे प्लाटों के बारे में आवेदन मंजूर कर सकेगा जो छावनी बोर्ड या लोक निर्माण विभाग या मैतिक इंजीनियरी सेवा की विद्यमान मुख्य गलियों के साथ लगे हुए हों ।

15. छावनी बोर्ड को मंजूर, उपायतर या रद्द करने की शक्ति—छावनी बोर्ड आवेदक द्वारा प्रस्तुत अभिन्नास रेखांक को, यदि वह उप-शिक्षियों के अनुमान हो, तो मंजूर कर मकेगा या उसे ऐसे उपगत गहिन मंजूर कर सकेगा जिन्हे छावनी बोर्ड उचित न माने, या जिसी अभिन्नास को मंजूर करने से इंवार कर मकेगा यदि विभाजित की जाने वाली प्रस्थापित भूमि के साम्पर्लिक अधिकारों का, भारत सरकार के रक्षा भौतिक व्यावार, इन प्रयोजन के लिए रखे गए माधारण भूमि रजिस्टर में यथादर्शित अपनी भूमि के रूप में, दावा किया गया है ।

16. शास्ति—यदि कोई व्यक्ति इन उप-शिक्षियों के किसी उपबंध का उल्लंघन करेगा तो वह जुमति से, जो एक सौ रुपए तक का हो सकेगा, इण्डनीय होगा और जहां उल्लंघन जारी रहता है, वहां अनियक जुमति से जो प्रथम ऐसे उल्लंघन के लिए मिद्प्ररोप ठहराए जाने के पावात् ऐसे प्रत्येक दिन के लिए, जिसके द्वारा उल्लंघन जारी रहता है, वह हाग तक का हो सकेगा, वाइनीय होगा ।

परिशिष्ट

(उप-विधि 2 देखें)

अभिन्नास आवेदन

सेवा में,

कार्यपालक आफिमर,
मिकंदरावाद छावनी बोर्ड,
मिकंदरावाद (आधार प्रशेष)

भौतिक,

मै/हम आपको भूवता देता हूँ/दो हैं कि मै/हम अपनी भूमि या उसके किसी भाग को, जिसकी मर्यादा स०..... है, और जिसका परिमाण..... हेक्टर है तथा सिकंदरावाद छावनी के..... वाई में स्थित है, इससे उपावद्ध अनुमूली में यथा निष्टिंट नियाम और अनियाम संबंधी या आइडीयोगिक प्रयोजनों द्वारा इमारतों के निर्माण के लिए, व्यक्तों के रूप में उपयोग करने, विक्रय करने, गट्टे पर देने या अन्यथा व्यवन करने का/के आवश्यक रखता हूँ/रखते हैं ।

मै/हम 1:3960 मापमान के स्थल रेखांक और 1:600 मापमान के अभिन्नास रेखांक, एक अनुरैखन वस्त्र पर और अन्य दो ज्ञु प्रिटों पर, अमानुपार निष्पत्तिविभाव विभागिया उदारित करते हुए, अपेक्षित करता हूँ/करते हैं ।

- ऐसी भूमि की, जिसके लिए अभिन्नास नैयार किया गया है, मर्यादण अन्याएं विशित करते हुए, भीतरी और बाहरी सभी सीमाएं ।
- किसी अभिन्नास के प्रति निर्देश से, यदि कोई हो, अनुसंदित और विकसित, विशमान इमारतों, सङ्कों, खुले स्थानों को दर्शित करते हुए 300 फीट या 91.44 मीटर के रेडियर के भीतर भूमि का स्थानांकित विवरण ।

3 विद्यमान तापीय लाइन, टेलीफोन लाइन, जल के प्रमुख नलों और जल निकास नालियां को दर्शान करने हुए एक रेखांक।

हिप्पर्ली:—जहाँ तापीय लाइन, जल के प्रमुख नल और मल-नालियां न हों, वहाँ तीनों आवश्यक सेश्वरीयों को मूलिकत करने के लिए की गई आनुकूलपक व्यवस्था, रेखांक में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएँ और वह इसमें उपाववध अनुसूची 2 में स्पष्ट की जाएँ।

4. विद्यमान मार्बेजनिक या प्राइवेट गली से पहुँच के मार्ग-निर्देश और गले घण्डों महिन प्रस्तावित गली का आण्यित तल और छोड़ाइ।

गली संरचना और तामीर सीमाएँ, ऊंचाई उठाने और समस्त करने, खंडजा डालने, रोटी डालने, फर्ण डालने, नालियां, मल-नालियां, जल-नालियां बनाने और मल मफाई करने के लिए की जाने वाली व्यवस्था।

5. व्यक्तिगत इमारत, प्लाट, छुले स्थान, बाजार और पार्क करने के स्थान ग्रादि की स्थिति, संरक्षा और आकार और उनका परिमाण जो इसमें उपाववध अनुसूची 3 में वैसी ही विभिन्नियों के विवरण द्वारा अनुसूचित हो।

मैं/हम (संयुक्त और पृथक) आवानी बोर्ड द्वारा विहित विनियोग के अनुसार अपेक्षित स्तर की मड़कें बनाने के लिये और उचित भौतिकों में से होकर भूमिगत जल और धनमार्ती नालों का प्रबन्ध करने और उम्मेदों को सुखाने और कार्यपालक आकामर के समाधान प्रद रूप में सभी इंतजाम करने के लिये भलमत हूँ/हैं।

मैं/हम, अपेक्षित भूमि के स्टाम्प-पत्र पर रजिस्ट्रीक्यूल फरार के जरिये जैसा करार किया जाये, भूमि स्थानों को निकास प्रथमा आन्याम इमारतों के बानों के स्थितों तब तक उपयोग न करने, विश्व न करने, पट्टे पर न लेने या अन्यथा व्ययन न करने का वक्तन बेता हूँ/हैं हैं जब तक कि आवानी बोर्ड द्वारा या मेरे/हमारे द्वारा अभिन्यास की शर्ती में यथा उपर्याप्त मुख्यमुद्दिष्टों की व्यवस्था न कर दी जाये।

मैं/हम मड़कों, नालों और जल प्रदाय लाइनों और खुले स्थानों को विहित स्तरों के अनुमार बनाने के पश्चात् आवानी बोर्ड को मुफ्त रोपने का वक्तन देता हूँ/हैं हैं।

शावेदक/शावेकों के इस्तमाल और पते

अनुसूची 1

(वह प्रयोजन जिमके लिये इमारतें बनाई जायेंगी)

अनुसूची 2

(आवश्यक सेश्वरीय सुनिश्चित करने के लिये की गई व्यवस्थाओं का विवरण)

अनुसूची 3

(इमारत, प्लाट ग्रादि से सबधित विभिन्नियों का विवरण)

[फा० सं० 12/3/सी/एन ए४ सी/डी/(शू ए४/मी)]

New Delhi, the 26th February, 1974

S.R.O. 91.—Whereas a draft of the bye-laws for the laying out of streets and the regulation of the erection of buildings and prohibition of such erection without making adequate provision for the laying out and location of streets and other

civic amenities in the Secunderabad Cantonment, was published with the Cantonment Board's notice No. 4201, dated the 20th August, 1970, as required by Section 284 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till 21st September 1970;

And whereas the said notice was made available to the public on the 20th August, 1970;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been duly considered by the aforesaid Cantonment Board;

And whereas the Central Government have duly approved and confirmed the draft of the said bye-laws as required by sub-section (1) of Section 284 of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clauses (19) and (39) of Section 282 and Section 283 of the said Act, the said Cantonment Board hereby makes the following bye-laws, namely:—

BYE-LAWS

1. Short title and commencement.—(1) These bye-laws may be called the Secunderabad Cantonment (Laying out of Streets and Regulation and Prohibition of Erection of Buildings) Bye-laws, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Submission of layout plans.—Any person intending to lay out a land into separate plots for construction of buildings and or for selling the same as building sites, within the Secunderabad Cantonment shall submit an application in the Form specified in the Appendix to these bye-laws. The form will be available with the Cantonment Board and will be supplied on payment of fifty paise per set of three forms.

3. Manner of making application.—(1) The application shall be accompanied by a site plan drawn to a scale of 1:3960 and layout plan drawn to a scale of 1:600, each in triplicate (one copy on tracing cloth and others in blue print), signed by the applicant and furnishing the following particulars :

- (i) boundaries of the land indicating North Point, measurements of the land and survey numbers;
- (ii) electric lines;
- (iii) telephone and telegraph lines;
- (iv) water mains;
- (v) mains sewers;
- (vi) drains;
- (vii) existing buildings, huts, open spaces, natural water courses, trees and other permanent features which cannot normally be disturbed;
- (viii) layouts already approved and development of which have already taken place upto 90 meters around the boundary of the land;
- (ix) distance of the outer boundaries of the site with reference to the centre of any street, road, or highway abutting the boundaries of the land;
- (x) directions and means of access from the existing public or private street, intended level and width of proposed street, and the building lines as per street and the building lines as per standard specified in the bye-laws;
- (xi) position, number and size of the individual plots and open spaces.

(2) The applicant shall also furnish a Statement of proposals for providing approaches from the existing public or private streets, for levelling, metalling and black topping the proposed roads conservancy, storm water and underground drains, and indicating the works which he volunteers

and undertakes to carry out himself and the remaining works to be carried out at his expense by the Cantonment Board.

4. Minimum area for each plot.—Each plot proposed to be laid out shall not be less than 1200 square feet or 112 square meters and the frontage of the plot shall not be less than 30 feet or 9.1 meters in length.

5. Width of streets.—The streets shall have the following widths with reference to their lengths:—

Length of Street	Width of Street
(a) 0 to 1000 ft. or 0 to 304 meters.	30 feet or 9.1 metres.
(b) above 1000 feet or 304 meters.	40 feet or 12.2 metres.

6. Marking of building lines.—There shall be marked on the layout plan in dotted line a building line which shall be:—

- (a) 5 feet or 1.5 meters from the edge of the road in respect of plots measuring less than 560 square meters, and
- (b) 20 feet or 6 meters from the edge of the road in respect of plots measuring 560 square meters and above.

7. Open space to be left around building.—Notwithstanding anything contained in any other bye-laws for the time being in force, a space of not less than 5 ft. or 1.5 meters shall be left unbuilt from the boundary of the plot adjoining the street, a similar space shall be left on one side of the proposed building and a space of not less than 5 feet or 1.5 meters shall be left unbuilt to the rear of the building;

Provided that the area of the plot to be built over shall not exceed the following maximum limits, namely:—

Area of plot	Maximum area of plot to be built over
(i) up to 2400 sq. ft. or 224 sq. meters	five-eighths
(ii) between 2,400/-sq. ft. or 224 sq. meters and 4,800 sq. ft. or 448 sq. meters,	one-half
(iii) exceeding 4,800 sq. ft. or 448 sq. meters.	two-fifths

8. Splaying of corner.—The corner of each plot at the junction of two streets shall be splayed with 10 ft. or 3.05 meters off-set or rounded off.

9. Access to existing streets.—All proposed streets shall have access from existing public or private street with unrestricted right of way to the public or through connecting proposed streets already sanctioned in a neighbouring layout.

10. Construction of streets.—(1) The streets shall be constructed with a minimum of 11.50 cms. thick (spread thickness) water bound macadam and 4.00 cms. thick asphalt premix carpet including a seal as specified in the standard Schedule of the Military Engineering Services applicable to Secunderabad, with suitable sub-grade wherever required by the soil condition which shall be decided by the Executive Officer. The width of metalled portion shall be a minimum of 12 feet or 3.7 meters for 30 feet or 9.1 meters wide street, 16 feet or 4.9 meters for 40 feet or 12.2 meters wide street.

(2) Wherever layout plan provides for back to back plots between two roads or streets, a service lane of a width of not less than 6 feet or 1.8 metres shall be provided between the two plots and such service lane shall be properly consolidated with a minimum of 11.50 cms. thick water-bound macadam.

11. Construction of drains, sewers, and laying of water supply mains.—(1) Construction of drains, sewers and laying

water-supply mains shall be carried out as directed by the Executive Officer in accordance with the condition of land and adequate discharge and supply.

2. The applicant will have to take connection for water-supply from the nearest Cantonment water main. The Board will, as far as possible, provide mains connection within 300 yards or 274 meters of the edge of the layout.

12. Construction of streets, drainage and laying of water-supply by the Cantonment Board.—Where an applicant desires the Cantonment Board to construct streets and drains and lay water-supply mains, he shall deposit the estimated cost of the work furnished by the Executive Officer, together with an additional sum amounting to five percent of the cost of work as supervision charges to the Cantt. Board. Actual cost incurred by the Board in this regard (besides an additional five percent of actual cost as supervision charges) will have to be paid by him and he shall execute an agreement to this effect with the Cantt. Board.

13. Area reserved for streets and open spaces.—The Board may also require the applicant to leave open spaces as lung area wherever considered necessary provided that the area of such open space and street shall not be less than 40 per cent of the total area of the land.

14. Prior approval of the Cantt. Board.—No building notice under section 179 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924) shall be entertained until the layout is approved by the Cantonment Board and the streets, drains and water supply lines are laid to the satisfaction of the Executive Officer at the cost of the applicant and handed over to the Cantt. Board by executing gift deed in favour of the Cantonment Board Secunderabad, for maintenance. However, the Board may sanction building application in respect of such plots in a layout which are abutting on the existing main streets of the Cantt. Board of public Works Department or Military Engineering Services if all other amenities are available.

15. Power of Cantt. Board to sanction, modify or reject.—The Cantonment Board may sanction the layout plan submitted by the applicant if the same is in accordance with the bye-laws or sanction the same with such modifications as the Cantt. Board may consider fit, or may refuse to sanction any layout if proprietary rights on the land proposed to be laid out is claimed by the Government of India in the Ministry of Defence to be their land as shown in the General Land Register maintained for the purpose.

16. Penalty.—If any person contravenes any provisions of these bye-laws he shall be punishable with fine which may extend to one hundred rupees and in case the contravention is a continuing one with an additional fine which may extend to ten rupees per day during which such contravention continues after conviction for the first such contravention.

APPENDIX

(See Bye-Law 2)

LAYOUT APPLICATION

To

The Executive Officer,
Secunderabad Cantonment Board,
SECUNDERABAD (A.P.)

Sir,

I/we hereby give you notice that I/we intend to utilise, sell, lease or otherwise dispose of my/our lands or portion of the same bearing Survey No. _____ and having an extent _____ hectares in _____ Ward, of the Secunderabad Cantonment as sites for the construction of buildings for residential and non-residential or industrial purposes as indicated in Schedule I annexed hereto.

I/we forward herewith site plans to scale 1:3960 and layout plans to scale 1:600 on tracing cloth and the other two blue prints, indicating the following particulars in seriatum.

1. The correct boundaries of the land for which the layout is prepared indicating Survey Nos. within and around.
2. Topographical details of the land within a radius of 300 feet or 91.44 meters indicating the existing buildings, roads, open spaces with reference to layouts if any approved and the developments taken place.
3. A plan showing the existing thermal lines, telephone lines, water mains and drainage sewers.

Note.—Where there are no thermal lines, water mains and sewers within reach, the alternative arrangements made to secure the three essential services may be indicated clearly in the plan and explained in Schedule II annexed hereto.

4. The direction and means of street access from the existing public or private street, intended level and width of proposed street with sections.

The street alignment and the building line, the arrangements to be made for raising and levelling, paving, metalling, flagging, channelling, sewerage, drainage and conserving.

5. The position, No. and size of the individual building plot, open spaces, shopping centres and parking places etc., with their extents supplemented by a Statement of the same particulars in Schedule III annexed hereto.

I/We (Jointly and severally) agree to develop the roads to the required standard as per the specification prescribed by the Cantonment Board and to provide underground surface and storm water drains through proper culverts and to drain the area and to carry out all the arrangements to the satisfaction of the Executive Officer.

I/We hereby undertake not to utilise, sell, lease or otherwise dispose of the lands sites for the construction of residential or non-residential buildings until the amenities are provided as indicated in the conditions of the layout either by the Cantonment Board or by me, as agreed upon through a registered agreement on stamped paper of requisite value.

I/We undertake to hand over to the Cantonment Board, the roads, drains and water-supply lines after developing them to the prescribed standards and the open spaces free of cost.

Signature of the Applicant/Applicants and address(es)

SCHEDULE I

(Purpose for which buildings to be constructed)

SCHEDULE II

(Details of arrangements made to secure the essential services)

SCHEDULE III

(Statement of particulars regarding building plot, etc)

[File No. 12/2/C/L&C/71/586-C/D(Q&C)]

का० निं० आ० 92:—लावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 60 द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करने हैं, और उक्त भंडालय की अधिसूचना सं० का० निं० आ० 120, तारीख 13 फरवरी, 1970 को अनिवार्य करने हैं, मन्त्र थोमस माउण्ट-एवं-पल्लावरम लावनी खेत में विज्ञापनों पर कर, उत्तरवर्ती वैशाली में वर्णित परिस्थितियों में, नीचे विनिर्दिष्ट दरों पर अधिगोपित करता है, अर्थात्:—

सत् थोमस भाउषण-एवं-पल्लावरम लावनी में विज्ञापनों पर कर का प्रधिरोपण :

1. जब्तहृण की दर—।. महों के आरपार लटकाये गये कपड़े के पर्वे पर के विज्ञापनों की बाबत, विज्ञापन कर की दर 3 मीटर से 6 मीटर चौड़ी महों से प्रति कलेण्डर मास या उसके भाग के लिये 60 रु. और 6 मीटर से 15 मीटर चौड़ी महों में प्रति कलेण्डर मास या उसके भाग के लिये 100 रु. होगी। इस प्रकार का विज्ञापन 15 मीटर से अधिक चौड़ी महों में अनुकूल नहीं किया जायेगा।

श्रेष्ठ	प्रति मास	प्रति कलेण्डर	प्रति वर्ष
	दिन का सम्बन्ध	म.म	
	रुपये	रुपये	रुपये
II. अप्रकाशित आकाश-फिल्मों			
	के रूप में छुट्टरों मिलि स्थानों		
	पर के विज्ञापनों की बाबत:-		
(क)	एकल रायल 68 सें०		
	मी० × 50 मी० मी०		
	में अनधिक स्थान के		
	लिये। —	—	3.00 36.00
(घ)	एकल रायल से अधिक		
	किन्तु 1 वर्ग मीटर		
	तक के स्थान के लिये।	—	6.00 72.00
(ग)	1 वर्ग मीटर से अधिक		
	किन्तु 23 वर्ग मीटर तक		
	के स्थान के लिये।	—	12.00 144.00
(घ)	23 वर्ग मीटर से अधिक		
	किन्तु 70 वर्ग मीटर		
	तक के स्थान के लिये।	—	25.00 300.00
(इ)	70 वर्ग मीटर से अधिक		
	किन्तु 140 वर्ग मीटर		
	तक के स्थान के लिये।	—	50.00 600.00
(ज)	140 वर्ग मीटर से अधिक		
	के स्थान के लिये।	—	60.00 720.00
III. पोस्टर :-			
(क)	एकल रायल 60 सें०		
	मी० × 50 सें० मी० से		
	अनधिक स्थान		
	के लिये।	0.25	— —
(ख)	द्विरायल 136 सें० मी०		
	× 100 सें० मी० से अन-		
	धिक स्थान के लिये।	4.00	— —
(ग)	प्रत्येक अनिवार्य 1 वर्ग		
	मीटर या द्विरायल के		
	लिये।	0.50	— —
IV. (क) प्रत्येक यान के लिये			
	(मोटर कार या लारी		
	अथवा विद्युत् या यांत्रिक		
	यांत्रिक द्वारा चालित		
	प्रवहण के किन्तु ग्रन्थ		
	साधनों से भिन्न।	5.00	20.00

1	2	3	4
---	---	---	---

(ब) प्रत्येक भौटिक या लागी अधिकारित विज्ञापन के लिये।	15.00	40.00	—
--	-------	-------	---

V. प्रकाशित विज्ञापन और आकाश
चिन्ह:—

(क) 4.6 वर्ग भौटिक तक के स्थान के लिये।	16.00	—	—
(ख) 4.6 वर्ग भौटिक स्थान के लिये।	24.00	—	—
(ग) प्रत्येक अविस्तरित 23 वर्ग भौटिक के लिये।	20.00	—	—

VI. विज्ञापनों पर कर फर्मों, तुकानशरारों, अधिकारणों, विज्ञापकों, सिनेमा-स्टूडियों द्वारा और विज्ञापनों से सम्बन्ध रखने वाले सभी व्यक्तियों द्वारा पूर्वोक्त मामलों की तरह ही देय होगा।

टिप्पणी:—यान, लागी या बम के स्वामी के नाम का प्रदर्शन माल ऐसा विज्ञापन नहीं है जो कर के वायित्व के अधीन है। प्रकाशित विज्ञापन या आकाश-चिन्ह के आकार की गणना करने के प्रयोजन के लिये सबसे बड़ी सम्भार्ड और सबसे बड़ी चीज़ों की दृष्टिकोण में ली जायेगी।

2. संदर्भ के लिये वायित्वाधीन होना:—प्रत्येक ऐसा व्यक्ति, जो कोई भूमि, इमारत, दीवार, छटाएँ या संरचना पर या के ऊपर कोई विज्ञापन, किसी भी रीति में या किसी भी स्थान में जाहे वह सार्वजनिक हो या प्राइवेट हो, लोक प्रवर्शनार्थ बनायेगा, प्रवर्शित करेगा, गाड़ेगा या रखेगा, प्रत्येक ऐसे विज्ञापन पर, जो लोक प्रवर्शनार्थ इस प्रकार बनाया गया हो, प्रवर्शित किया गया हो, गाड़ा गया हो, रखा गया हो, या संप्रदायित किया गया हो, ऐसी दरों पर और ऐसी रीति में, जो उपरोक्त वैरा गंति में वर्णित है, संगति कर देगा:

परन्तु,—

(क) सार्वजनिक सभा, या

(ख) किसी विधार्द निकाय या सभा योग्य साउण्ट-एंड-पल्स्यूचरम के किसी निवाचन, या

(ग) ऐसे किसी निवाचन की वावन किसी अध्यार्थिता, के किसी विज्ञापन या नोटिस पर कोई भी कर उठायी नहीं किया जायेगा:

परन्तु यह और कि ऐसा कोई भी कर किसी ऐसे विज्ञापन पर उद्यूक्तीय नहीं होगा जो आकाश-चिन्ह नहीं है और जो,—

(क) किसी इमारत की किड़की के भीतर प्रदर्शित किया गया हो,
या

(ख) ऐसी भूमि या इमारत के भीतर जिस पर या के ऊपर ऐसा विज्ञापन प्रदर्शित किया गया हो, जलाये जाने वाले व्यापार या कारबाह से या ऐसी भूमि या इमारत या उसमें के किसी सामान के किसी विक्रय या किराये पर किये जाने से या उस पर या उसमें किये जाने वाले किसी विक्रय, मनोरंजन या सभा से सम्बन्ध रखता हो, या

(ग) ऐसी भूमि या इमारत जिस पर या जिसके ऊतर विज्ञापन प्रदर्शित किया गया हो, के नाम से या ऐसी भूमि या इमारत के स्वामी या अधिभोगी के नाम से सम्बन्ध रखता हो, या

(घ) किसी रेल कम्पनी के कारबाह से सम्बन्ध रखता हो, या

(इ) किसी रेल स्टेशन के भीतर या किसी रेल कम्पनी को किसी दीवार या अन्य सम्पर्क पर प्रदर्शित किया गया हो मिलाय तब के जब ऐसी दीवार या सम्पर्क के बाहरी हिस्से का कोई भाग किसी सज्जक के साथने पड़ता हो।

इष्टोकरण 1:—इस पैरा में “सरचना” शब्द के अन्तर्गत किसी विज्ञापन या विज्ञापन के माध्यम के रूप में प्रयुक्त पहियों पर का कोई चल बोर्ड भी है।

इष्टोकरण 2:—इस पैरा में, “आकाश चिन्ह” अभिव्यक्ति से कोई ऐसा विज्ञापन अभिव्रत है, जो किसी ऐसी भूमि, इमारत, दीवार या संरचना पर या के ऊपर किसी स्थान, खम्भे, स्टेप्लर्ड, ढांचे या अन्य अवस्थाओं पर पूर्णतः या भागतः प्राप्त हो या जो संलग्न हो, जिस पर या जिसके किसी भाग पर का आकाश चिन्ह, किसी सार्वजनिक स्थान में किसी बिन्दु से आकाश में विद्यार्थ वे और इसके अन्तर्गत कोई ऐसा सम्पूर्ण स्थान, खंभा, स्टेप्लर्ड, ढांचा या अन्य अवस्थाओं और उसका प्रत्येक भाग भी है। “आकाश चिन्ह” अभिव्यक्ति के अन्तर्गत किसी भूमि, इमारत या संरचना पर या के ऊपर अधिक विज्ञापन के प्रयोजनों के लिये पूर्णतः या भागतः प्रयुक्त कोई गुआग, पैराशूट या अन्य वैसा ही साधन भी है किन्तु इसके अन्तर्गत निम्नलिखित नहीं है:

(क) कोई छवज, शृण्ड, खंभा, यातदर्शक या वाससूचक, जब तक कि वह किसी विज्ञापन के प्रयोजनों के लिये पूर्णतः या भागतः प्रयुक्त न किया गया हो; या

(ख) ऐसा कोई चिन्ह, या कोई बोर्ड, ढांचा या अन्य यंत्र जो दीवार के सिरे या किसी इमारत के मुद्दें से या पर, या किसी दीवार के कम्बूरे या दाढ़-रहे, पर, या काठी या छत में मजबूती से गड़ा हुआ है:

परन्तु ऐसा बोर्ड, ढांचा या अन्य यंत्र एक अविच्छल पार्क का होया और यूना नहीं होगा, और उस दीवार या मुद्दे को काठी के, जिस में या वह गड़ा हुआ या आधृत हो, किसी भाग के ऊपर की ऊंचाई में एक भौटिक से अधिक ऊंचा नहीं होगा; या

(ग) कोई ऐसा विज्ञापन जो ऐसी भूमि या इमारत जिस पर या जिसके ऊपर विज्ञापन प्रदर्शित किया गया हो, के नाम से या ऐसी भूमि या इमारत के स्वामी या अधिभोगी के नाम से सम्बन्ध रखता हो, या

(घ) कोई ऐसा विज्ञापन जो किसी रेल कम्पनी के कारबाह से आत्मतिक रूप से संबंधित हो और जो किसी रेल, रेल स्टेशन, यार्ड, ब्लेटफार्म या स्टेशन को जाने वाले ऐसे मार्ग जो किसी रेल कम्पनी के स्वामित्व में हो, पर या के ऊपर पूर्णतः लगाया गया हो और वह इस प्रकार लगाया गया हो कि वह किसी सड़क या सार्वजनिक स्थान में नहीं गिर सकता; या

(क) जैसी जाने वाली या किंगाये पर दी जाने वाली भूमि या इमारत को कोई ऐसा नोटिस जो ऐसी भूमि या इमारत पर लगाये गया हो।

उपचारकरण 3:—“भार्तजनिक स्थान” में कोई ऐसा स्थान अधिनियम है जो जनना के उपर्योग और उपर्योग के लिये खुला हो चाहे उसका जनना द्वारा प्रस्तुत: उपयोग या उपर्योग किया गया हो या नहीं।

3. विज्ञापन के संबंधित की अनुकूला—(क) कोई भी विज्ञापन, केन्द्रीय सरकार द्वारा छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 60 के अधीन कर के उद्घाटन के अनुमोदन कर देने के पश्चात्, मन्त्र धोमम माउण्ट-पार्ट-पल्लावारम के भीतर किसी भूमि, इमारत, दीवार, ठट्टर या संरचना पर या के ऊपर नहीं लगाया जायेगा, प्रदर्शन नहीं किया जायेगा, गाड़ी नहीं जाएगा या रखा जाएगा, बहाने या नहीं किया जाएगा।

(ख) छावनी कार्यपालक आफिसर ऐसी अनुकूल उस दशा में नहीं देगा, यदि—

(i) विज्ञापन, छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 282 के खण्ड (3) और धारा 283 के अधीन छावनी बोर्ड द्वारा बनाई गई किसी उपचारक का उल्लंघन करे, या

(ii) विज्ञापन की बात बेय कर, यदि कोई हो, संदर्भ न किया गया हो।

(ग) उपरोक्त उपर्योग (ख) के उपचारकों के अधीन रहते हुए, विज्ञापन-कर के दायित्वाधीन किसी विज्ञापन की दशा में, छावनी कार्यपालक आफिसर ऐसी अवधि के लिये अनुकूल देगा जिससे कर का संदर्भ संबंध रखता है और कोई भी फीम ऐसी अनुकूल की बाबत प्रभारित नहीं की जाएगी :

परन्तु उपरोक्त उपचारक किसी रेल कम्पनी के कारबार से संबंधित किसी ऐसे विज्ञापन के संबंध में नागृ नहीं होगे जो किसी रेल कम्पनी के परिसर पर लगाया गया हो, प्रदर्शन किया गया हो, गाड़ा गया हो या रखा गया हो।

4. अनुकूल का शून्य हो जाना :—उपरोक्त पैरा 3 के अधीन शीर्षक अनुकूल निम्नलिखित दशाओं में शून्य हो जाएगी, अर्थात्—

(क) यदि विज्ञापन, छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 282 के खण्ड (3) और धारा 283 के अधीन बोर्ड द्वारा बनाई गई किसी उपचारक का उल्लंघन करे;

(ख) यदि विज्ञापन में कोई परिवर्धन किया जाए जिवाय तथ के जब वह छावनी कार्यपालक आफिसर के निदेश के अधीन उसे सुरुह बनाने के प्रयोजन के लिये किया गया हो;

(ग) यदि विज्ञापन या उसके किसी भाग में कोई महत्वपूर्ण तस्वीरी की गई हो;

(घ) यदि विज्ञापन या उसका कोई भाग दृष्टिना से भिन्न किसी अन्य कारण से गिर जाए;

(इ) यदि कोई परिवर्धन या परिवर्तन ऐसी इमारत; दीवार या संरचना में किया गया हो जिस पर या के ऊपर ऐसा विज्ञापन लगाया गया हो, प्रदर्शन किया गया हो, गाड़ा गया हो या रखा गया हो, यदि ऐसा परिवर्धन या परिवर्तन विज्ञापन या उसके किसी भाग में कोई विज्ञापन हो; और

(ज) यदि ऐसी इमारत दीवार या संरचना जिस पर या जिसके ऊपर ऐसा विज्ञापन लगाया गया हो, प्रदर्शन किया गया हो, गाड़ा गया हो, या रखा गया हो तो वह दी जाए या नष्ट कर दी जाए।

5. उपचारकों के उपचारकों का उल्लंघन:—जहाँ कोई विज्ञापन किसी भूमि इमारत दीवार ठट्टर या संरचना पर या के ऊपर उपरोक्त पैरा 2 या उपरोक्त पैरा 3 के उपचारकों के उल्लंघन में या किसी अवधि के लिये उसके लगाये जाने, प्रदर्शन किया जाने, गाड़े जाने या रखे जाने से संबंधित लिखित अनुकूल के समाज हो जाने या शून्य हो जाने के पश्चात् लगाया जाएगा, प्रदर्शन किया जाएगा, गाड़ा जाएगा या रखा जाएगा, वहाँ ऐसी भूमि, इमारत, दीवार, ठट्टर या संरचना के स्थानी या अधिभोगी को तब तक ऐसा व्यक्ति, जिसने ऐसे उल्लंघन में ऐसा विज्ञापन लगाया हो प्रदर्शन किया हो, गाड़ा हो या रखा हो, समझा जायेगा जब तक कि वह यह मानिन नहीं कर दे कि ऐसा उल्लंघन किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया था जो उसके लियोजन में नहीं है या उसके नियंत्रण के प्रधीन नहीं है अथवा वह उसकी मोनानुकूलता के बिना किया गया था।

6. स्वामी या अधिभोगी से किसी विज्ञापन के हटाये जाने की अपेक्षा करने की शक्ति :—यदि कोई विज्ञापन, उपरोक्त पैरा 2 या उपरोक्त पैरा 3 के उपचारकों के प्रतिकूल या किसी अवधि के लिये उसके लगाये जाने, प्रदर्शन किये जाने, गाड़े जाने या रखे जाने से संबंधित लिखित अनुकूल के समाज हो जाने या शून्य जाने, पश्चात् लगाया गया हो के प्रदर्शन किया गया हो, गाड़ा गया हो या रखा गया हो सो छावनी कार्यपालक आफिसर लिखित सूचना द्वारा ऐसी भूमि, इमारत, दीवार, ठट्टर या संरचना के स्थानी या अधिभोगी से, जिस पर या जिसके ऊपर वह लगाया गया हो, प्रदर्शन किया गया हो, गाड़ा गया हो या रखा गया हो, ऐसे विज्ञापन को उत्ताइने या हटाने की अपेक्षा कर सकेगा या किसी ऐसी इमारत, भूमि, या संपत्ति में प्रवेश कर सकेगा और विज्ञापन को हटा सकेगा।

7. विज्ञप्तियों के कर के संग्रहण का ठेका देने की शक्ति — छावनी कार्यपालक आफिसर उपरोक्त पैरा 2 के प्रधीन उद्यगहीन विज्ञापनों पर किसी कर के संग्रहण का किसी एक समय पर एक बर्पे से अनधिक किसी अवधि के लिये ऐसे नियंत्रणों और शर्तों पर ठेका दे सकेगा जो छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 282 के खण्ड (3) और धारा 283 के प्रधीन बनाई गई उपचारकों द्वारा उपचारक की जाए।

[फाइल सं० 53/28/सी/एल एण्ड सी/71/583—सी/डी (क्यू एण्ड सी)]

S.R.O. 92.—In exercise of the powers conferred by section 60 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), and in supersession of the Ministry of Defence Notification No. S.R.O. 120, dated the 13th February, 1979, the Cantonment Board, St. Thomas Mount-Cum-Pallavaram, with the previous sanction of the Central Government, hereby imposes a tax on advertisements in the St. Thomas Mount-cum-Pallavaram cantonment area in the circumstances mentioned in the succeeding paragraphs at the rates specified below, namely :—

IMPOSITION OF TAX ON ADVERTISEMENTS IN ST. THOMAS MOUNT-CUM-PALLAVARAM CANTONMENT.

1. Rate of Levy.—

I. In respect of advertisements on cloth hung across streets, the rate of advertisement tax shall be Rs. 60/- per calendar month or part thereof in a street 3 metres to 6 metres broad and Rs. 100/- per calendar month or part thereof, in a street 6 metres to 15 metres broad. This kind of advertisement will not be allowed in streets broader than 15 metres.

Boards	Per week of 7 days	Per Calendar month	Per year
1	2	3	4
	Rs.	Rs.	Rs.
II. In respect of advertisements on hoardings, wall posts in the form of non-illuminated sky signs :—			
(a) for a space not exceeding single royal 68 cm x 50 cm.	—	3.00	36.00
(b) for a space over a single royal upto 1 sq. metre.	—	6.00	72.00
(c) for a space over 1 sq. metre upto 23 sq. metres.	—	12.00	144.00
(d) for a space over 23 sq. metres upto 70 sq. metres.	—	25.00	300.00
(e) for a space over 70 sq. metres upto 140 sq. metres.	—	50.00	600.00
(f) for a space over 140 sq. metres.	—	60.00	720.00
III. Posters :—			
(a) for a space not exceeding single royal 60 cm x 50 cm.	0.25	—	—
(b) for a space not exceeding double royal 136 cm x 100 cm.	4.00	—	—
(c) for every additional 1 sq. metre or double royal.	0.50	—	—
IV.(a) for each vehicle (other than motor car or lorry or any other means of conveyance propelled by electrical or mechanical power).			
	5.00	20.00	—
(b) for each motor or lorry or any other means of conveyance propelled by electrical or mechanical power.	15.00	40.00	—
V. Illuminal advertisements and sky signs :—			
(a) for space upto 4.6 sq. metres.	16.00	—	—
(b) for space 4.6 sq metres.	24.00	—	—
(c) for every additional 23 sq. metres.	20.00	—	—
VI. The tax on advertisements shall be payable by the firms, shop-owners, agencies, advertisers, cinema owners and by all concerned with advertisements as in the aforesaid cases.			

NOTE :—Mere exhibition of the name of the owner of the vehicle, lorry or bus is not an advertisement liable to the tax. For the purpose of calculating the size of an illuminated advertisement or sky sign the greatest length and the greatest breadth will be taken into consideration.

2. Liability for payment :—Every person who erects, exhibits, fixes or retains upon or over any land, building, wall, hoarding or structure any adver-

tisement to public view in any manner whatsoever, in any place whether public or private, shall pay on every advertisement which is so erected, exhibited, fixed, retained or displayed to public view a tax calculated at such rates and in such manner as mentioned in paragraph 1 above:

Provided that no tax shall be levied on any advertisement or a notice :—

- (a) of public meeting, or
- (b) of an election to any legislative body or the Cantonment Board, St. Thomas mount-cum-Pallavaram, or
- (c) of a candidature in respect of such an election:
Provided further that no such tax shall be levied on any advertisement which is not a sky sign and which—
- (a) is exhibited within the window of any building, or
- (b) relates to the trade or business carried on within the land or building upon or over which such advertisement is exhibited or to any sale or letting of such land or building or any effects therein or to any sale, entertainment or meeting to be held upon or in the same, or
- (c) relates to the name of the land or building upon or over which the advertisement is exhibited or to the name of owner or occupier of such land or building, or
- (d) relates to the business of any railway company, or
- (e) is exhibited within any railway station or upon any wall or other property of a railway company except any portion of the surface of such wall or property fronting any street.

Explanation 1.—The word "structure" in this paragraph shall include any moveable board on wheels used as an advertisement or an advertisement medium.

Explanation 2.—The expression "sky-sign" shall, in this paragraph mean any advertisement, supported on or attached to any post, pole, standard, framework or other support wholly or in part upon or over any land, building, wall, or structure which or any part of which sky-sign, shall be visible against the sky from some point in any public place and includes all and every art of any such post, pole, standard, framework or other support. The expression "sky-sign" shall also include any balloon, parachute or other similar device employed wholly or in part from the purposes of any advertisement upon or over any land, building or structure or upon over any public place but shall not include :—

- (a) any flagstaff, pole, vane or weather cock, unless adapted or used wholly or in part for the purposes of any advertisement; or
- (b) any sign, or any board, frame or other contrivance securely fixed to or on the top of the wall or parapet of any building or on the cornice or blocking course of any wall, or to the ridge or a roof :

Provided that such board, frame or other contrivance be of one continuous face and not open work, and do not extend in height more than one metre above any part of the wall, or parapet or ridge to, against or on which it is fixed or supported; or

- (c) any advertisement relating to the name of the land or building upon or over which the advertisements exhibited or to the name of the owner or occupier of such land or building; or
- (d) any advertisement relating exclusively to the business of a railway company and placed wholly upon or over any railway, railway station, yard, platform or station approach belonging to a railway company and so placed that it can not fall into any street or public place; or
- (e) any notice of land or buildings to be sold, or let, placed upon such land or buildings.

Explanation 3.— “Public place” means any place which is open to the use and enjoyment of the public, whether it is actually used or enjoyed by the public or not.

3. Permission to display advertisement :—

- (a) No advertisement shall after the levy of the tax under section 60 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) has been approved by the Central Government, be erected exhibited, fixed, or retained upon or over any land, building, wall hoarding or structure within the St. Thomas Mount-cum-Pallavaram.
- (b) The Cantonment Executive Officer shall not grant such permission if :—
 - (i) the advertisement contravenes any bye-law made by the Cantonment Board under clause (3) of section 282 and section 283 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), or
 - (ii) the tax, if any, due in respect of the advertisement has not been paid.
 - (c) Subject to the provisions contained in sub-paragraph (b) above in the case of an advertisement liable to the advertisement tax, the Cantonment Executive Officer shall grant permission for the period to which the payment of the tax relates and no fee be charged in respect of such permission :

Provided that the above provisions shall not apply to any advertisement erected, exhibited, fixed or retained on the premises of a railway company relating to the business of a railway company.

4. Permission to become void :—

The permission granted under paragraph 3 above shall become void in the following cases, namely :—

- (a) if the advertisement contravenes any bye-law made by the Board under clause (3) of section 282 and section 283 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924);
- (b) if any addition to the advertisement be made except for the purpose of making it secure under the direction of the Cantonment Executive Officer;
- (c) if any material change be made in the advertisement or any part thereon;
- (d) if the advertisement or any part thereof falls otherwise than through accident;
- (e) if any addition or alteration be made to, or in the building wall or structure upon over which the advertisement is erected, exhibited, fixed or retained if such addition or alteration involves the disturbance of the advertisement or any part thereof; and
- (f) if the building, wall or structure upon or over which the advertisement is erected, is exhibited, fixed or retained be demolished or destroyed.

5. Contravention of provisions of Bye-Laws :—

Where any advertisement shall be erected, exhibited, fixed or retained upon or over any land, building, wall, hoarding or structure in contravention of the provisions contained in paragraph 2 above or paragraph 3 above or after the written permission for the erection, exhibition, fixation or retention thereof for any period shall have expired or become void, the owner or person in occupation of such land, building, wall, hoarding or structure shall be deemed to be the person who has erected, exhibited, fixed or retained such advertisement in such contravention unless he proves that such contravention was committed by a person not in his employment or under his control or was committed without his connivance.

6. Power to require owner or occupier to remove an advertisement :—

If any advertisement be erected, exhibited, fixed or retained contrary to the provisions contained in paragraph 2 above or paragraph 3 above or after the written permission for the erection, exhibition, fixation or retention thereof for any period shall

have expired or become void, the Cantonment Executive Officer may, by notice in writing, require the owner or occupier of the land, building, wall, hoarding or structure, upon or over which the same is erected, exhibited, fixed or retained to take down or remove such advertisement or may enter any building, land or property and have the advertisement removed.

7. Power to farm out collection of tax on advertisements :—

The Cantonment Executive Officer may farm out the collection of any tax on advertisements leviable under paragraph 2 above for any period not exceeding one year at a time on such terms and conditions as may be provided for by bye-laws made under clause (3) of section 282 and section 283 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924).

[File No. 53/28/C/L&C/71/583-C/D(Q&C)]

नई बिल्डिंग, 27 फरवरी, 1974

का० खि० आ० 93.—किर्की छावनी (वाडों में विभाजन) नियम 1970 जो भारत सरकार के रक्षा मन्त्रालय की अधिसूचना सं० 277 तारीख 13 जून, 1970 के साथ के प्रकाशित किये गये थे में संगोष्ठन करने के लिये कर्तिपय नियमों का निम्नलिखित प्राप्त है, जिसे केंद्रीय सरकार छावनी प्रधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 31 द्वारा प्रबल मालियों का प्रयोग करने के द्वारा यज्ञों की प्रस्थापना करती है सभी ऐसे व्यक्तियों को जिनका इस के द्वारा प्रधावित होता सम्भाल्य है जानकारी के लिये उक्त धारा की अपेक्षानुमार प्रकाशित किया जाता है और उक्त प्राप्ति पर इस प्रधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से माटहे दिन या उसके प्रवर्गन के पश्चात विचार किया जायेगा।

ऐसे आदेष्यों या सुझावों पर जो उक्त प्राप्ति के संबंध में दक्षिणी कमाते के जनरल अफिसर कमाइंग-इन-चीफ की मार्फत किसी घटक से इस प्रकार विनियोग अथवा के पूर्व प्राप्त होने के द्वारा विचार किया जायेगा।

1 संक्षिप्त नाम और प्रारंभ —(1) इन नियमों का नाम किर्की छावनी (वाडों में विभाजन) संगोष्ठन नियम 1974 है।

(2) ये नियम तुरन्त प्रकृत द्वारा।

2 अनुसूची का प्रतिस्थापन—अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची एवं जायेगी अर्थात :—

अनुसूची

(वाडों की सीमाएँ)

आई संख्या 1

यह वाडे उन क्षेत्रों में मिलकर बनेगा जिनकी सीमाओं का वर्णन नीचे दिया गया है :—

एक्स्ट्री सीमा स्तरम् 43 और बाजार सीमा स्तरम् 1 में यह सीमा उत्तरपूर्वी दिशा में मूला नदी के नद के माथ पर के बांध तक जाती है तब भूला नदी पर के थाय में यह सीमा वर्धिण का और उग नदी के नद के साथ साथ एक्स्ट्री सीमा स्तरम् 42 तक जाती है और वहां गे यह सीमा पूर्वोक्त नदी को पार करके पूर्व की ओर मुड़ जाती है और एक्स्ट्री सीमा स्तरम् 41 तक जाती है जो उक्त नदी के दूरसे नद पर स्थित है तब वहां से यह दक्षिण-पश्चिम को ओर भूला नदी के नद के ग्राथ-माथ होकर पुल तक जाती है, हाल्कार पुल से ये उत्तर की ओर पुल के उम पार कालडे कोट गोड और गोड के बीचे तक जाती है, उक्त चौराहे से यह पेंसिल्स्टन गोड के ग्राथ-माथ बाजार सीमा स्तरम् 11 के पास कमीरस्थित गोड से उसके मिलने के स्थान तक जाती है तब यह उत्तर पूर्वी दिशा में मह जाती है और नाजार सीमा उंडा के ग्राथ-माथ बाजार सीमा स्तरम् 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 19-के

20, 20-क और 20-ख से होती हुई बाजार सीमा स्तंभ सं० 21 तक जाती है, तब यह वक्षिण की ओर कैन्टनमेंट फण्ड नेत से होती हुई हूले रोड से इसके भिन्नने के स्थान तक जाती है तब यह पश्चिम की ओर हुए रोड के माध्य-माथ मध्य रेल लाहन से इसके भिन्नने के स्थान तक जाती है तब यह उत्तर लाहन को पार करती हुई बाजार सीमा रेखा के माध्य-माथ बाजार सीमा स्तंभ मं० 4 और 3 से होती हुई बाजार सीमा स्तंभ सं० 2 तक जाती है तब यह मुड़ जाती है और उत्तर की ओर छाकड़ी सीमा रेखा के माध्य-माथ छाकड़ी सीमा स्तंभ सं० 43 तक जाती है ।

वार्ष सं० 2

यह बाई उन क्षेत्रों से मिलकर बनेगा जिनकी सौमाओं का नीचे वर्णन किया गया है :—

बाजार सीमा स्तरमें सं० 21 से यह सीमा पूर्व की ओर मध्य रेल लाइन और बाजार सीमा रेलवा के साथ-साथ बाजार सीमा स्तरमें सं० 20क्ष और 20क्ष में होती हुई आईनेम रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है तब यह वक्षिण पश्चिम की ओर मुड़ जाती है और बाजार सीमा रेलवा के साथ-साथ बाजार सीमा स्तरमें सं० 20,20-क्ष, 19,18 17,16,15,14,13 और 12 से होती हुई बाजार सीमा स्तरमें सं० 11 तक जाती है तब वहाँ से यह पश्चिम की ओर बाजार सीमा रेलवा के साथ साथ मोनेडीना रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है और नव बढ़ा से यह उत्तर की ओर मुड़ जाती है और मोनेडीना रोड के साथ-साथ जम्बू रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है तब यह पश्चिम की ओर जम्बू रोड के साथ-साथ कैन्टूनमेंट फंड रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है वहाँ से यह उत्तर की ओर कैन्टूनमेंट फंड रोड और कैन्टून-मेंट के माध्य-माध्य बाजार सीमा स्तरमें सं० 21 के पास बाजार सीमा रेलवा ओर मध्य रेल लाइन से इसके मिलने के स्थान तक जाती है।

वार्ष सं० ३

यह बाई उन खेतों से मिलकर बनेगा जिनकी सीमाओं का वर्णन नीचे किया गया है :-

छावनी सीमा स्तम्भ में 43 व 41 के बीच छावनी सीमा रेखा के मध्य ऐल लाइन से मिलने के स्थान से, यह सीमा पूर्व की ओर मध्य ऐल लाइन के माध्य-साथ बाजार सीमा स्तम्भ में 6-ग तक जाती है, तब किर यह पूर्व की ओर बाजार सीमा रेखा के माध्य-माथ बाजार सीमा स्तम्भ में 6-ग और 6-क से होती हुई हूटे रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब फिर यह हूटे रोड के माध्य-माथ, हूटे रोड और कैटनमेट कण्ठ लेन के चौराहे तक जाती है, तब वहां यह दक्षिण-परिक्रम की ओर मुड़ जाती है और कैटनमेट कण्ठ लेन और कैटनमेट कण्ठ रोड के माध्य-माथ जम्बू रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब वह दक्षिण पूर्व की ओर जम्बू रोड के माध्य-माथ मोतिहारी रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब वहां से यह दक्षिण की ओर मुड़ जाती है और मोतिहारी रोड के माध्य-माथ एलिफ्स्टन रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब यह परिक्रम की ओर बाजार सीमा रेखा के साथ-माथ, बाजार सीमा स्तम्भ में 10, 9-ब, 9-क, 9, 8-क, 8, 7-ब और 7-क से होती हुई बाजार सीमा स्तम्भ में 7 तक जाती है, तब यह एलिफ्स्टन रोड के माध्य-साथ छावनी सीमा रेखा से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब यह उत्तर की ओर मुड़ जाती है और छावनी सीमा रेखा के माध्य-साथ मध्य ऐल लाइन से इसके मिलने के स्थान तक जाती है।

वार्ड सं० ४

यद्यु वाई उन क्षेत्रों से मिलकर आतेगा जिनकी सीमाओं का वर्णन
कीजे शिया गया है:-

छावनी सीमा स्थान सं० २-ब और २-द के बीच छावनी सीमा रेखा
से पश्चिमपूर्व दिशक फैलाव के मिलने के स्थान में, यह सीमा उत्तर-पूर्व

की ओर सावनी सीमा रेखा के साथ-साथ, छावनी सीमा स्तम्भ सं० 2-ड, 2-घ, 2-ग, 2-ब, 2-क, 2, 1-ब, 1-क, 49, 48, 47, 46, 45 और 44 से होती हूई प्रेलिफ्स्टन रोड से इमके मिलने के स्थान तक जाती है, तब यह मुँह जाती है और दक्षिण-पश्चिम की ओर ट्रेलिफ्स्टन रोड के साथ-साथ बाजार सीमा स्तम्भ मं० 7 तक जाती है, तब यह बाजार सीमा रेखा के साथ-साथ, बाजार सीमा स्तम्भ 7, 7-क, 7-ब, 8, 8-क, 9- 9-क, 9-ब और 10 से होती हूई बाजार सीमा स्तम्भ मं० 11 तक जाती है, तब फिर पहले प्रेलिफ्स्टन रोड के साथ-साथ मूला नदी पर के होल्कार पुल के दूसरे भिंडे तक जाती है, तब यह पश्चिम की ओर मुँह जाती है और मूला नदी के तट के गाथ-साथ छावनी सीमा स्तम्भ मं० 15 तक जाती है, तब फिर यह मूला नदी को पार करके, छावनी, सीमा रेखा के साथ-साथ, छावनी सीमा स्तम्भ सं० 14, 13, 12-ब, 12-क, 12, 11-ग, 11-ब, 11-क और 11 से होती हूई मध्य रेल लाइन मे रेंज ड्रिस्ट रोड के मिलने के स्थान के पास छावनी सीमा स्तम्भ सं० 10 तक जाती है, तब यह मुँह जाती है और उत्तर-पश्चिम की ओर मध्य रेल लाइन के साथ-साथ बाईंग रोड के विस्तारण से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब यह बाईंग रोड के विस्तारण के साथ-साथ मेंट्रल एवेन्यू रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब यह मेंट्रल एवेन्यू रोड के साथ-साथ बाजार न्याशाहर के पास डल्लूयूबी०एम० रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब यह डल्लूयूबी०एम० रोड और रेंज ट्रिल्स स्कूल की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ बैन बैन रोड तक जाती है, तब यह बैन बैन रोड के साथ-साथ मुथा लेफ्ट बैक कैनाल से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब यह मूथा लेफ्ट बैक कैनाल के साथ-साथ छावनी सीमा स्तम्भ सं० 2-ब और 2-ड के बीच छावनी सीमा रेखा से इसके मिलने के स्थान तक जाती है।

वार्ता सं० ५

यह बाईं उन क्षेत्रों में मिनकर बनेगा जितकी सीमाओं का वर्णन नीचे दिया गया है :—

पाठ सं० ६

यह बाड़ उन लोगों से मिल कर बतेगा जिनकी सीमाओं का वर्णन
नीचे किया गया है:—

छावनी सीमा स्तम्भ सं० 4 और 5 के बीच एम० ई० एस० रोड के बीच से, यह सीमा पूर्व की ओर एम० ई० एस० रोड के साथ-साथ बैंक बैंक] रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब यह उत्तर की ओर मुँह जाती है और बैंक बैंक रोड के साथ-साथ छावनी रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है; तब यह पूर्व की ओर छावनी रोड और छावनी रोड के विस्तारण के साथ-साथ मध्य रेल लाइन से इसके मिलने के स्थान तक जाती है, तब यह दक्षिण की ओर मुँह जाती है और मध्य रेल लाइन के साथ-साथ रेंज हिल्स रोड से इसके मिलने के स्थान के पास छावनी सीमा स्तम्भ सं० 10 तक जाती है, तब यह छावनी सीमा रेखा के साथ-साथ छावनी सीमा स्तम्भ सं० 9 से होती हुई छावनी सीमा स्तम्भ सं० 8 तक जाती है; तब यह पश्चिम की ओर मुँह जाती है और छावनी सीमा रेखा के साथ-साथ, छावनी सीमा स्तम्भ सं० 7 और 6 से होती हुई छावनी सीमा स्तम्भ सं० 5-व तक जाती है, तब यह उत्तर की ओर मुँह जाती है और छावनी सीमा रेखा के साथ-साथ, छावनी सीमा स्तम्भ सं० 5-व, 5-व, 5-व, 5-व और 5 से होती हुई, छावनी सीमा स्तम्भ सं० 4 और 5 के बीच एम० ई० एस० रोड से इसके मिलने के स्थान तक जाती है।

वार्ड सं० 7

यह वार्ड उत्तर क्षेत्र से मिलकर बनेगा जिनकी सीमाओं का वर्णन नीचे किया गया है:—

मला नदी के तट पर स्थित छावनी सीमा स्तम्भ सं० 15 से, यह सीमा उत्तर-पूर्व की ओर मूला नदी के तट के साथ-साथ छावनी सीमा स्तम्भ सं० 41 तक जाती है, तब यह दक्षिण-पश्चिम की ओर मुँह जाती है और छावनी सीमा रेखा के साथ-साथ, छावनी सीमा स्तम्भ सं० 40, 39, 38, 37, 36, 35, 34, 33, 32, 31 और 30 से होती हुई छावनी सीमा स्तम्भ सं० 29 तक जाती है, तब यह पश्चिम की ओर मुँह जाती है और फिर छावनी सीमा रेखा के साथ-साथ छावनी सीमा स्तम्भ सं० 28, 27, 26, 25, 24, 23, 22, 21, 20, 19, 18, 17 से होती हुई, मूला नदी के तट पर स्थित छावनी सीमा स्तम्भ सं० 16 तक जाती है; जिसमें यह स्तम्भ भी सम्मिलित है और इसके प्रत्यर्गत छावनी सीमा स्तम्भ सं० 24 के पास गांव सीमा स्तम्भ सं० 1 तथा छावनी सीमा स्तम्भ सं० 25 के पास गांव सीमा स्तम्भ सं० 17 द्वारा सीमावधि सेनगामवाड़ी गांव भी आता है, तब यह उत्तर की ओर मुँह जाती है और मूला नदी के तट के साथ-साथ छावनी सीमा स्तम्भ सं० 15 तक जाती है।

[फाइल सं० 29/31/सी०/एन० ए४८ सी०/66/675-सी०/झ०/क्ष० ए४० सी०]

New Delhi, the 27th February, 1974

S.R.O. 93.—The following draft of certain rules to amend the Kirkee Cantonment (Division into Wards) Rules, 1970, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 277 dated the 13th June, 1970, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 31 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) is published, as required by the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of sixty days from the publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person through the General Officer Commanding-in-Chief Southern Command, with respect to the said draft before the period so specified will be considered by the Central Government.

1. Short title and Commencement.—(1) These Rules may be called Kirkee Cantonment (Division into Wards) Amendment Rules, 1974.

146GI/73—3

(2) They shall come into force at once.

2. Substitution of the Schedule:—For the Schedule the following Schedule shall be substituted, namely:—

SCHEDULE

(See rule 3)

(Boundaries of Wards)

Ward No. 1:

This ward shall comprise of the areas of which the boundaries are described as under:—

From Cantonment Boundary Pillar No. 43 and Bazar Boundary Pillar No. 1 the boundary runs in a North-Easterly direction along the bank of the Mula River upto the bund on that river, then from the bund on the Mula river, the boundary runs Southward along the bank of that river upto the Cantonment Boundary Pillar No. 42 and from there the boundary turns Eastward, crossing the aforesaid river, and runs upto Cantonment Boundary Pillar No. 41 which is situated on the opposite bank of the said river, then from there it runs South-West-Wards along the bank of Mula River upto Holkar Bridge, from Holkar Bridge it runs North-Wards across the bridge upto the Junction of Caldecott Road and Elphinstone Road, from the said junction it runs all along Elphinstone Road upto its junction with Commissariat Road near Bazar Boundary Pillar No. 11, then it turns in a North-Easterly direction and runs along the Bazar boundary line through Bazar Boundary Pillar Nos. 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 19-A, 20, 20-A, 20-B upto Bazar Boundary Pillar No. 21 then it runs Southwards through Cantonment Fund Lane upto its junction with Hule Road, then it runs Westwards along Hule Road upto its crossing with Central Railway Line, then crossing the said line it runs along Bazar Boundary line through Bazar Boundary Pillar Nos. 4 and 3 upto Bazar Boundary Pillar No. 2, then it turns and runs Northwards along Cantonment Boundary line upto Cantonment Boundary Pillar No. 43.

Ward No. 2:

This ward shall comprise of the areas of which the boundaries are described as under:—

From Bazar Boundary Pillar No. 21 the boundary runs Eastwards along the Central Railway line and Bazar Boundary line through Bazar Boundary Pillar Nos. 20-B and 20-A, upto its crossing with Ordnance Road, then it turns South-Westwards and runs along Bazar Boundary line through Bazar Boundary Pillar Nos. 20, 20-A, 19, 18, 17, 16, 15, 14, 13, 12 upto Bazar Boundary Pillar No. 11 then from there it runs Westwards along Bazar Boundary line upto its crossing with Moledina Road, and then from there it turns Northwards and runs along Moledina Road upto its junction with Jamboo Road then it runs Westwards along Jamboo Road upto its crossing with Cantonment Fund Road, from there it runs Northwards along Cantonment Fund Road and Cantonment Fund Lane upto its crossing with Bazar Boundary Line and Central Railway line near Bazar Boundary Pillar No. 21.

Ward No. 3:

This ward shall comprise of the areas of which the boundaries are described as under:—

From the intersection of Central Railway Line with Cantonment Boundary line between cantonment boundary pillar Nos. 43 and 44 the Boundary runs Eastwards along Central Railway line upto Bazar Boundary Pillar No. 6-C, then further Eastwards along Bazar Boundary line through Bazar Boundary Pillar Nos. 6-B and 6-A upto its crossing with Hule Road, then further along Hule Road upto the crossing of Hule Road, with Cantonment Fund Lane, then from there it turns South-Westwards and runs along Cantonment Fund Lane and Cantonment Fund Road upto its crossing with Jamboo Road then it runs South-eastwards along Jamboo Road upto its junction with Moledina Road, then from there it turns Southwards and runs along Moledina Road upto its junction with Elphinstone Road, then it turns Westwards and runs along Bazar Boundary Line through Bazar Boundary Pillar Nos. 10, 9-B, 9-A, 9, 8-A, 8, 7-B, 7-A upto Bazar Boundary Pillar No. 7, then along Elphinstone Road upto its crossing with Cantonment Boundary line, then it

turns Northwards and runs along the Cantonment Boundary line upto its intersection with Central Railway line.

Ward No. 4 :

This ward shall comprise of the areas of which the boundaries are described as under :—

From the Crossing of Mutha left Bank Canal with Cantonment Boundary Line between Cantonment Boundary Pillar Nos. 2-F and 2-H the boundary runs North-Eastwards along Cantonment Boundary Line through Cantonment Boundary Pillar Nos. 2-E, 2-D, 2-C, 2-B-2-A, 2, 1-B-1-A, 49, 48, 47, 46, 45, 44, upto its crossing with Elphinstone Road, then it turns and runs South-Westwards along Elphinstone Road upto Bazar Boundary Pillar No. 7, then along Bazar Boundary Line through Bazar Boundary Pillar Nos. 7, 7-A, 7-B, 8, 8-A, 9, 9-A, 9-B, 10 upto Bazar Boundary Pillar No. 11 then further all along Elphinstone Road upto the far end of Holkar Bridge across Mula River then it turns westwards and runs along the bank of Mula River upto Cantonment Boundary Pillar No. 15, then further crossing the river Mula along Cantonment Boundary Line through Cantonment Boundary Pillar Nos. 14, 13, 12-B, 12-A, 12, 11-C, 11-B, 11-A, 11 upto Cantonment Boundary Pillar No. 10 near the crossing of Range Hills Road with Central Railway Line, then it turns and runs North-Westwards along Central Railway line upto its crossing with extension of Bying Road, then along extension of Bying Road upto its junction with Central Avenue Road, then along the Central Avenue Road upto its junction with W.B.M. Road near Market plinths, then along W.B.M. Road and Southern boundary of Range Hills School upto Well back Road, then along Wellback Road upto its crossing with Mutha left bank canal, then along Mutha left bank canal upto its intersection with Cantonment boundary line between Cantonment Boundary Pillar Nos. 2-F and 2-E.

Ward No. 5 :

This ward shall comprise of the areas of which the boundaries are described as under :—

From Cantonment Boundary Pillar No. 3 the boundary runs North-Eastwards along Cantonment Boundary line through Cantonment Boundary Pillar Nos. 2-H, 2-G, 2-F upto its intersection with Mutha left bank canal between Cantonment Boundary Pillar Nos. 2-F, and 2-E, then along Mutha left bank canal upto its crossing with Wellback Road, then it turns Southwards and runs along Wellback Road upto the Southern boundary of Range Hills School then, along the Southern boundary of Range Hills School and along W.B.M. Road upto its crossing with Central Avenue Road, then along Central Avenue Road upto its junction with Bying Road, then it turns westwards and runs along Bying Road upto its junction with Wellback Road then along Wellback Road upto its junction with M.E.S. Road, then along M.E.S. Road upto its crossing with Cantonment Boundary line between Cantonment Boundary Pillar No. 5 and Cantonment Boundary Pillar No. 4 then it turns Northwards and runs along Cantonment Boundary line through Cantonment Boundary Pillar No. 4 upto Cantonment Boundary Pillar No. 3.

Ward No. 6 :

This ward shall comprise of the areas of which the boundaries are described as under :—

From the crossing of MES Road between Cantonment Boundary Pillar No. 4 and 5 the boundary runs Eastwards along MES Road upto its junction with Wellback Road, then turns towards North and runs along Wellback Road upto its junction with Bying Road, then Eastwards along Bying Road and extension of Bying Road upto its crossing with Central Railway line, then it turns Southwards and runs along the Central Railway line upto Cantonment Boundary Pillar No. 10 near its crossing with Range Hills Road, then along Cantonment Boundary line through Cantonment Boundary Pillar No. 9 upto Cantonment Boundary Pillar No. 8, then it turns Westwards and runs along Cantonment Boundary line through Cantonment Boundary Pillar Nos. 7 and 6 upto Cantonment Boundary Pillar No. 5-B, then it turns Northwards and runs along Cantonment Boundary line through Cantonment Boundary Pillar Nos. 5-D, 5-C, 5-B, 5-A, 5

upto its crossing with MES Road between Cantonment Boundary Pillar No. 4 and 5.

Ward No. 7 :

This ward shall comprise of the areas of which the boundaries are described as under :—

From Cantonment Boundary Pillar No. 15 on the Bank of Mula River the boundary runs North-Eastwards along the bank of Mula River upto Cantonment Boundary Pillar No. 41, then it turns South-Westwards and runs along the Cantonment Boundary line through Cantonment Boundary Pillar Nos. 40, 39, 38, 37, 36, 35, 34, 33, 32, 31, 30 upto Cantonment Boundary Pillar No. 29, then it turns Westwards and further runs along Cantonment Boundary line through Cantonment Boundary Pillar Nos. 28, 27, 26, 25, 24, 23, 22, 21, 20, 19, 18, 17 upto and inclusive of Cantonment Boundary Pillar No. 16 on the Bank of Mula River and including Sangamwadi Village bounded by Village Boundary Pillar No. 1 near Cantonment Boundary Pillar No. 24 and Village Boundary Pillar No. 17 near Cantonment Boundary Pillar No. 25, then it turns Northwards and runs along the bank of Mula River upto Cantonment Boundary Pillar No. 15.

[File No. 29/31/C/L&C/66/675-C/D (Q&C)]

कानूनिका० 94— छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 12 मई, 1974 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को बैलिटन छावनी में साधारण निर्वाचन किये जायेंगे।

[फाइल सं० 29/18/सी०/एल० एण्ड सी०/66/674-सी०/जी० (क्षू० एण्ड सी०,)]

S.R.O. 94.— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby fixes 12th May, 1974 as the date on which elections in Wellington Cantonment shall be held.

[File No. 29/18/C/L&C/66/674-C/D (Q&C)]

हुई विली, 28 फरवरी, 1974

कानूनिका० 95— छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 12 मई, 1974 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को बैलिटन छावनी में साधारण निर्वाचन किये जायेंगे।

[फाइल सं० 29/66/सी०/एल० एण्ड सी०/66/692-सी०/जी० (क्षू० एण्ड सी०,)]

ओ० पी० भटनागर, अवर सचिव

New Delhi, the 28th February, 1974

S.R.O. 95.— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby fixes 12th May, 1974 as the date on which elections in Babina Cantonment shall be held.

[File No. 29/66/C/L&C/66/692-C/D (Q&C)]
O. P. BHATNAGAR, Under Secy.